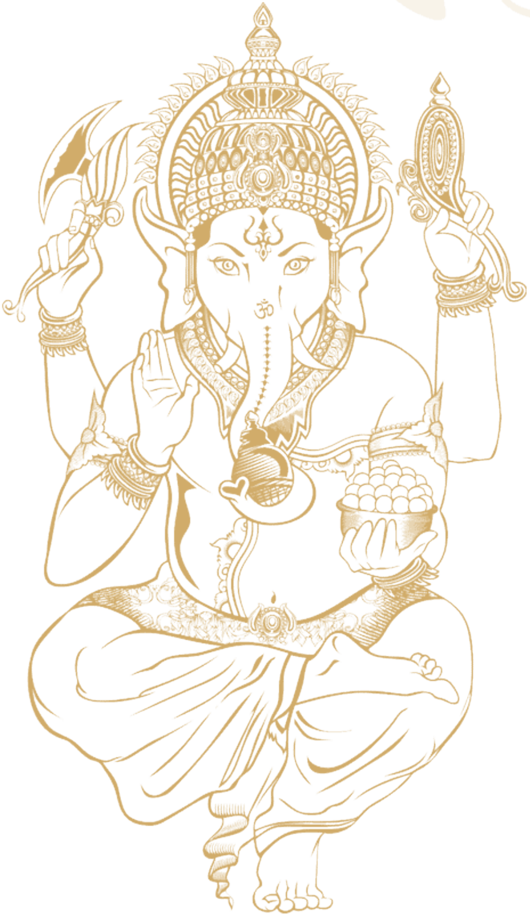

13 Feb 2026

06:56 AM

Kaithal

Model: web-freekundliweb

Order No: 121300405

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**12-13/02/2026**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**06:56:00 घंटे**
इष्ट	59:33:23 घटी
स्थान	**Kaithal**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:47:00 उत्तर
रेखांश	76:29:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:31:56 घंटे
वेलान्तर	-00:14:13 घंटे
साम्पातिक काल	16:04:20 घंटे
सूर्योदय	07:06:38 घंटे
सूर्यास्त	18:10:19 घंटे
दिनमान	11:03:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	00:07:03 कुम्भ
लग्न के अंश	25:44:32 मकर

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मकर - शनि
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वज्र
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भावना
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मक	25:44:32	459:34:21	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
सूर्य			कुंभ	00:07:03	01:00:41	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	08:38:38	12:05:50	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	मक	21:58:00	00:47:11	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	उच्च राशि
बुध			कुंभ	16:05:21	01:34:41	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:57:35	00:04:56	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	09:04:14	01:15:08	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	मित्र राशि
शनि			मीन	05:40:20	00:06:33	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:50:04	00:02:20	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:50:04	00:02:20	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:16:17	00:00:29	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:16:34	00:01:55	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:50:56	00:01:50	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			वृश्चि	08:54:11	--	अनुराधा	--	17	मंगल	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:26

लग्न-चलित

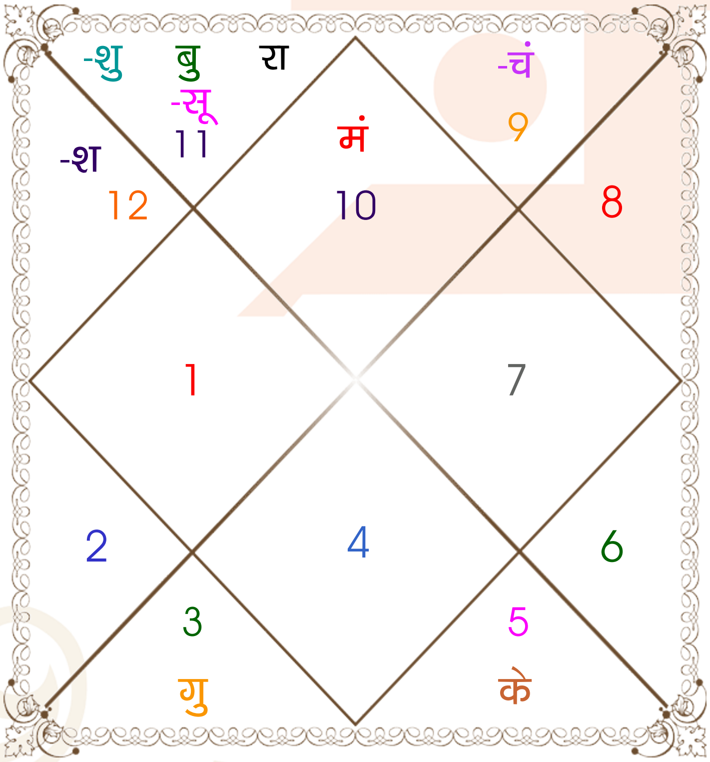

चन्द्र कुंडली

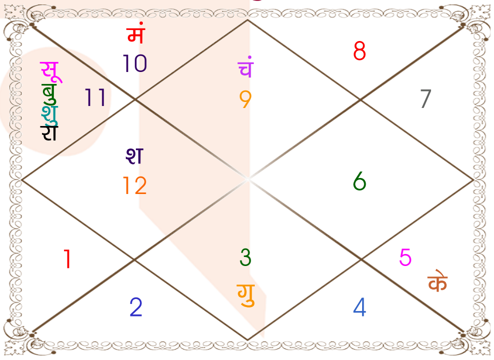

नवमांश कुंडली

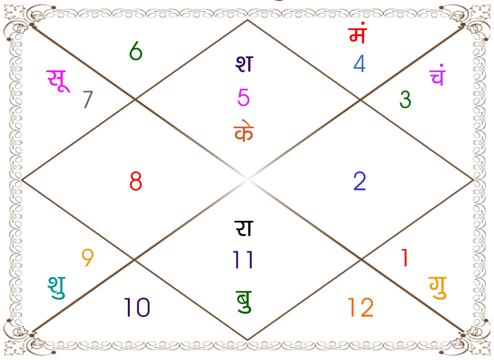

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 5 मास 16 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
13/02/2026	**31/07/2028**	**31/07/2048**	**01/08/2054**	**31/07/2064**
31/07/2028	**31/07/2048**	**01/08/2054**	**31/07/2064**	**01/08/2071**
00/00/0000	शुक्र 01/12/2031	सूर्य 18/11/2048	चंद्र 01/06/2055	मंगल 27/12/2064
00/00/0000	सूर्य 30/11/2032	चंद्र 19/05/2049	मंगल 31/12/2055	राहु 15/01/2066
00/00/0000	चंद्र 01/08/2034	मंगल 24/09/2049	राहु 01/07/2057	गुरु 22/12/2066
00/00/0000	मंगल 01/10/2035	राहु 19/08/2050	गुरु 31/10/2058	शनि 30/01/2068
00/00/0000	राहु 30/09/2038	गुरु 07/06/2051	शनि 31/05/2060	बुध 27/01/2069
13/02/2026	गुरु 31/05/2041	शनि 19/05/2052	बुध 31/10/2061	केतु 25/06/2069
गुरु 25/06/2026	शनि 31/07/2044	बुध 25/03/2053	केतु 01/06/2062	शुक्र 25/08/2070
शनि 04/08/2027	बुध 01/06/2047	केतु 31/07/2053	शुक्र 30/01/2064	सूर्य 31/12/2070
बुध 31/07/2028	केतु 31/07/2048	शुक्र 01/08/2054	सूर्य 31/07/2064	चंद्र 01/08/2071

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
01/08/2071	**31/07/2089**	**01/08/2105**	**01/08/2124**	**01/08/2141**
31/07/2089	**01/08/2105**	**01/08/2124**	**01/08/2141**	**00/00/0000**
राहु 13/04/2074	गुरु 18/09/2091	शनि 04/08/2108	बुध 29/12/2126	केतु 28/12/2141
गुरु 06/09/2076	शनि 01/04/2094	बुध 14/04/2111	केतु 26/12/2127	शुक्र 28/02/2143
शनि 14/07/2079	बुध 07/07/2096	केतु 23/05/2112	शुक्र 26/10/2130	सूर्य 05/07/2143
बुध 30/01/2082	केतु 13/06/2097	शुक्र 24/07/2115	सूर्य 01/09/2131	चंद्र 03/02/2144
केतु 17/02/2083	शुक्र 12/02/2100	सूर्य 05/07/2116	चंद्र 31/01/2133	मंगल 02/07/2144
शुक्र 17/02/2086	सूर्य 01/12/2100	चंद्र 03/02/2118	मंगल 28/01/2134	राहु 20/07/2145
सूर्य 12/01/2087	चंद्र 02/04/2102	मंगल 15/03/2119	राहु 16/08/2136	गुरु 14/02/2146
चंद्र 13/07/2088	मंगल 09/03/2103	राहु 19/01/2122	गुरु 22/11/2138	00/00/0000
मंगल 31/07/2089	राहु 01/08/2105	गुरु 01/08/2124	शनि 01/08/2141	00/00/0000

❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 5 मा 12 दि होता है।

❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म धनिष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में मकर लग्न के उदय काल में हुआ था। जन्म लग्न के समय पूर्वीय क्षितिज पर सिंह राशि का नवमांश एवं कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस संबंधित लग्नादि के प्रभाव की ज्योतिषीय आकृति से यह दृष्टिगत हो रहा है कि आपके जन्म प्रभाव के फलस्वरूप आपका जीवन धन, प्रतिष्ठा एवं शक्ति से संपन्न गुणों का प्रतिनिधित्व करायेगा। परंतु आप मन में ऐसी भावना लेकर निश्चिंत न होंवे कि क्योंकि आपके जन्म का जो प्रभाव है वह आपकी परिस्थिति के अनुकूल है इसलिए सब कुछ स्वतः ठीक हो जाएगा। ऐसा न समझे। आपको सफलता की प्राप्ति हेतु कठिन श्रम के अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं है। अर्थात् आपकी सफलता का श्रेय आपके परिश्रम और आपकी सच्ची लग्न पर निर्भर करता है।

आपकी महत्वकांक्षा के प्रति आपकी कार्यदक्षता एक अनुग्रहणीय गुण से युक्त है। आप अच्छी प्रकार यह जानती हैं कि आप अपने अंतर्ज्ञान की शक्ति से कुशाग्र बुद्धिमत्ता द्वारा अपनी योजना के प्रति समर्पित होकर उस कार्य योजना को लाभदायक एवं धन प्रदायक बना कर प्रस्तुत कर सकती हैं जो सुदृढ़ सुनिश्चियात्मक है। यदि आप ऐसा करें तो इसकी संभावना से विजयोल्लासित हो सकती हैं।

इस प्रकार आप लाभजनक स्थिति में आ सकती हैं। आप जीवन के 19 वें वर्ष से 24 वें वर्ष की आयु के मध्य आपकी उन्नति एवं आपका भविष्य अन्यों की अपेक्षा उत्तम एवं प्रमुख नक्षत्र की भांति चमत्कृत होगा। आप अपनी वृद्धा अवस्था काल सहजतापूर्वक धन संचय संबंधी भवन का निर्माण कर सकती हैं।

आपके पति आपका सीखभरी गुण युक्त निर्देशन प्राप्त करेंगे। क्योंकि लोग आपके पास पहुंच कर महत्वपूर्ण विषयों पर निर्देशन प्राप्त करेंगे। आप मात्र उचित सम्मति ही नहीं प्रदान करेंगी बल्कि आप जरूरतमंद लोगों को धन संबंधी उचित स्रोत की भी व्यवस्था करेंगी। आप निश्चय पूर्वक दान सेवी संस्था को दान भी देंगी। क्योंकि आपका झुकाव धर्म की ओर भी रहता है। इस कारणवश आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण एवं परिदर्शन भी करेंगी।

आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति थोड़ी बहुत सतर्कता बरतनी चाहिए। यद्यपि आप स्वस्थ प्रसन्न एवं दीर्घजीवी प्राणी हैं। परंतु ऐसी आशंका है कि आप संबंधित रोगादि से प्रभावित भी हो सकती हैं। यथा चर्मरोग, अपाचन प्रक्रिया एवं क्षयरोगादि। इस संबंध में आप रूचिपूर्वक इस विधान को अंगीकृत करती हैं कि स्वस्थ्य रहने के लिए सतर्कता बरतनी चाहिए। आप सदैव उन संभावित दुर्घटनादि की अनदेखी न करें। जो सामान्य रूप से शरीर में छोटी-मोटी चोटादि होते रहते हैं।

आपके लिए रंगों में पीला एवं क्रीम रंग त्याज्य है। परंतु आपके लिए सफेद, लाल, काला एवं नीला रंग सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए अंकों में 3 अंक सर्वथा प्रतिकूल है। परंतु आपके लिए अनुकूल अंक

6, 8 एवं 9 अंक है। यह सभी महत्वपूर्ण कार्यो के संपादन हेतु लाभजनक है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वोत्तम दिन है। परंतु रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन आपके लिए सर्वथा प्रतिकूल है।